

Philemon फिलेमोन

१ पौलुस की तरफ़ से जो मसीह ईसा' का कैदी है, और भाई तीमुथियुस की तरफ़ से अपने 'अज़ीज़ और हम ख़िदमत फ़िलेमोन, २ और बहन अफ़िया, और अपने हम सफ़र आर्खिप्पुस और फ़िलेमोन के घर की कलीसिया के नाम : ३ फ़ज़ल और इत्मिनान हमारे बाप खुदा और खुदावन्द 'ईसा' मसीह की तरफ़ से तुम्हें हासिल होता रहे | ४ मैं तेरी उस मुहब्बत का और ईमान का हाल सुन कर, जो सब मुक़दसों के साथ और खुदावन्द ईसा' पर है । ५ हमेशा अपने खुदा का शुक्र करता हूँ, और अपनी दु'आओं में तुझे याद करता हूँ | ६ ताकि तेरे ईमान की शिराकत तुम्हारी हर ख़ूबी की पहचान में मसीह के वास्ते मु'अस्सिर हो | ७ क्योंकि ऐ भाई ! मुझे तेरी मुहब्बत से बहुत खुशी और तसल्ली हुई, इसलिए कि तेरी वजह से मुक़दसों के दिल ताज़ा हुए हैं | ८ पस अगरचे मुझे मसीह में बड़ी दिलेरी तो है कि तुझे मुनासिब हुक्म दूँ | ९ मगर मुझे ये ज़्यादा पसंद है कि मैं बूढ़ा पौलुस, बल्कि इस वक़्त मसीह 'ईसा' का कैदी भी होकर मुहब्बत की राह से इल्तिमास करूँ | १० सो अपने फ़र्ज़न्द उनेस्मुस के बारे में जो कैद की हालत में मुझ से पैदा हुआ, तुझसे इल्तिमास करता हूँ | ११ पहले तो तेरे कुछ काम का ना था मगर अब तेरे और मेरे दोनों के काम का है | १२ खुद उसी को या'नी अपने कलेजे के टुकड़े को, मैंने तेरे पास वापस भेजा है | १३ उसको मैं अपने ही पास रखना चाहता था, ताकि तेरी तरफ़ से इस कैद में जो खुशख़बरी के ज़रिये है मेरी ख़िदमत करे | १४ लेकिन तेरी मर्ज़ी के बग़ैर मेने कुछ करना न चाहा, ताकि तेरे नेक काम लाचारी से नही बल्कि खुशी से हों | १५ क्योंकि मुम्किन है कि वो तुझ से इसलिए

थोड़ी देर के वास्ते जुदा हुआ हो कि हमेशा तेरे पास रहे | १६ मगर अब से गुलाम की तरह नहीं बल्कि गुलाम से बेहतर होकर या'नी ऐसे भाई की तरह रहे जो जिस्म में भी और खुदावन्द में भी मेरा निहायत 'अज़ीज़ हो और तेरा इससे भी कहीं ज़्यादा | १७ पस अगर तू मुझे शरीक जानता है, तो उसे इस तरह कुबूल करना जिस तरह मुझे | १८ और अगर उस ने तेरा कुछ नुक़सान किया है, या उस पर तेरा कुछ आता है, तो उसे मेरे नाम से लिख ले। १९ मैं पौलुस अपने हाथ से लिखता हूँ कि खुद अदा करूँगा, इसके कहने की कुछ ज़रूरत नहीं कि मेरा कर्ज़ जो तुझ पर है वो तू खुद है २० ऐ भाई ! मैं चाहता हूँ कि मुझे तेरी तरफ़ से खुदावन्द में खुशी हासिल हो | मसीह में मेरे दिल को ताज़ा कर | २१ मैं तेरी फ़रमाँबरदारी का यक़ीन करके तुझे लिखता हूँ, और जानता हूँ कि जो कुछ मैं कहता हूँ, तू उस से भी ज़्यादा करेगा | २२ इसके सिवा मेरे लिए ठहरने की जगह तैयार कर, क्योंकि मुझे उम्मीद है कि मैं तुम्हारी दु' आओं के वसीले से तुम्हें बरूँशा जाऊँगा | २३ इपफ़्रास जो मसीह ईसा' में मेरे साथ कैद है, २४ और मरकुस और अरिस्तर्खुस और दोमास और लुका, जो मेरे हम ख़िदमत हैं तुझे सलाम कहते हैं | २५ हमारे खुदावन्द ईसा' मसीह का फ़ज़ल तुम्हारी रूह पर होता रहे | आमीन |

उर्दू बाइबिल

The New Testament in the Urdu language, BCS 2017

copyright © 2017 Bridge Connectivity Solutions

Language: उर्दू (Urdu)

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

You include the above copyright and source information.

If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2017-11-27

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 27 Sep 2019 from source files dated 27 Sep 2019

bb64bcb8-2153-5c47-9a6f-7f45fece3c84